

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्रीश्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव

13 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र का वितरण
एवंलगभग 31 हजार करोड़ रुपये के 76 हजार से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास
द्वाराश्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राज्य स्तरीय समारोह

12 जनवरी, 2025 | बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर | प्रातः 11:00 बजे

शिलान्यास

लोकार्पण

- पीएम क्रुसुम योजना के 1174 कार्य (10569 करोड़ रुपये)
- 220 के.वी. जीएसएस के 12 कार्य (1233 करोड़ रुपये)
- 10,000 ग्राम पंचायतों में पंचायत पौधशाला (500 करोड़ रुपये)
- 450 मेगावाट पूर्गल सोलर पार्क फेज-III (196 करोड़ रुपये)
- 49 अटल प्रगति पथ के कार्य (189 करोड़ रुपये)
- हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर एवं बीकानेर के आई.एन.जी.पी के कमाण्ड क्षेत्र में ग्रीड सोलर फोटोवॉल्टिक वॉटर परियोजना (180 करोड़ रुपये)
- जल जीवन मिशन आपणी योजना फेज-1 एवं सरदार शहर के 60 गांवों में कार्य पैकेज-तृतीय (तारानगर-पांडुसर फिल्ड) (133 करोड़ रुपये)
- चौमूं विधानसभा में गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल के तहत बधाल इटावा से एनएच-52 गोविन्दगढ़ सड़क निर्माण कार्य (95 करोड़ रुपये)
- 101 नग कैपेसिटर बैंक स्थापना कार्य (59 करोड़ रुपये)
- 33/11 के.वी. सब-स्टेशन के 19 कार्य (48 करोड़ रुपये)
- 7118 करोड़ रुपये से अधिक के अन्य विकास कार्य

- मनरेगा के तहत 46,751 जल स्रोतों की संरचनाओं के कार्य (5028 करोड़ रुपये)
- मनरेगा के तहत 13,424 पर्यावरण संरक्षण, चारागाह विकास तथा वृक्षारोपण कार्य (840 करोड़ रुपये)
- भीलवाड़ा, सीकर एवं सवाईमाधोपुर में सीवरेज परियोजना एवं परिसम्पत्तियों का निर्माण कार्य (577 करोड़ रुपये)
- पचपदरा में 400 के.वी. जीएसएस (391 करोड़ रुपये)
- आर.एस.एच.आई.डी.पी. के तहत चूरू-तारानगर-नोहर, एस.एच-36 (301 करोड़ रुपये)
- आर.एस. एच.आई.डी.पी. के तहत सिवाना-समदड़ी-बालेसर, एसएच-66 (245 करोड़ रुपये)
- आर.एस. एच.आई.डी.पी. के तहत बीकानेर-नापासर-जसरासर एसएच-20बी (175 करोड़ रुपये)
- बांसवाड़ा में सीवरेज नेटवर्क, शोधन संयंत्र एवं परियोजना का निर्माण कार्य (166 करोड़ रुपये)
- शाहपुरा (भीलवाड़ा) ब्लॉक में चम्बल-भीलवाड़ा पेयजल परियोजना-II के पैकेज पंचम हेतु रेट्रोफिटिंग कार्य (105 करोड़ रुपये)
- बीसलपुर-चाकसू पेयजल परियोजना का कार्य (74 करोड़ रुपये)
- 2685 करोड़ रुपये से अधिक के अन्य विकास कार्य

निभाई जिम्मेदारी-हर घर खुशहाली

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान सरकार

विचार बिन्दु

आपति मनुष्य बनाती है और संपत्ति राक्षस। -विक्टर ह्यूगो

गरीबी से मुक्ति हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति व पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

य

जुर्बिंद संहिता का एक महत्वपूर्ण सूत्र है: दारिद्र्य पाशदुरुतो न दुःखम्, शिक्षारोग्येण विमुक्तिराणा शान्तिप्रकृत्यासहिता च सिद्धः; नाल्त्रित्रमार्गोऽपरतोहित्रेः॥ तात्पर्य यह है कि गरीबी के बंधन से कोई दुःख नहीं है। शिक्षा और स्वास्थ्य से ही यांत्रित मुक्ति प्राप्त होती है। शांति और प्रज्ञता के साथ सिद्ध प्राप्त होती है। इससे बेहतर कोई और मान नहीं है।

इसी बात को यहाँ और भी स्पष्ट किया गया है। दारिद्र्याद्याधिक: निः-सद्वेंहांसरित्, तत्यविमुक्तये शिक्षारोग्य शान्तिप्रकृत्यासहिता निश्रेणानिसाधानानि, अन्यवैच्यनूनत्वात् तात्पर्य यह है कि गरीबी से बड़ा कोई अधिशण नहीं है, और उससे मुक्ति दिलाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण से श्रेष्ठ उपाय नहीं है। इसी विषय पर है।

मेरा जीवन एक साधारण गाँव में खुला हुआ जहाँ अकेले गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्रायः उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक और अपने विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसोस और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थान पर्याप्त के विकास के लिए याचना करते थे। मैंने तब इस बात को व्याख्या किया कि गरीबी न केवल गरीबी की दृष्टि से बहुत गुणवत्ता को बढ़ाती है, वर्तमान यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलांग लगाती है। इस अभियान से मुक्ति पाने की छापटाहट में मैंने शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के लिए याचना की दृष्टि से बहुत गुणवत्ता की दृष्टि पर है।

शिक्षा ने मेरे लिए विषय के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई, जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझाने और उन्हें बदलने के लिए अधिकारी और शिक्षक दो तरफ स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ और निर्भल मन निवार करता है, और यही निर्भल व्यक्ति के समग्र कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे उत्तेजना और सामंजस्य के चम्पाकरी प्रभाव को समझाया, जो हमारे भीती सहायता और सद्गुवाना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहने से मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन के मूल आधार हैं, और इनकी सुधार करना हमारी असल में हमारी अपनी पर्यावरण के लिए अनिवार्य है।

इस प्रकार, मेरी कहानी यहाँ को यह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पाने हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण को साथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्वतंत्र व्यक्तित्व जीवन के साथ ही समग्र समाज में भी सकारात्मक पर्यावरण लाने करते हैं। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सपूत्रक बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना, और पर्यावरण की रक्षा करना—ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं। जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं। मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे प्राप्तिकरण के लिए हमारे पास शिक्षालीन रणनीति उत्तराधिक है। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के माध्यम से दूसरों को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहने से मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन के मूल आधार हैं, और इनकी सुधार करना हमारी असल में हमारी अपनी पर्यावरण के लिए अनिवार्य है।

अपनी जीवन यात्रा में मैं भी सीधी की जब समाज में ही साथ मिलकर काम करता है, तो बदलते लाए तुलना तुलना पर्यावरण के साथ खेल होता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सपूत्रक बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना, और पर्यावरण की रक्षा करना—ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं। जब हम इन सभी कार्यों को सपूत्रक बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं, बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैं भी सीधी की जब समाज में ही साथ मिलकर काम करता है, तो बदलते लाए तुलना तुलना पर्यावरण के साथ खेल होता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के माध्यम से दूसरों को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहने से मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन के मूल आधार हैं, और इनकी सुधार करना हमारी असल में हमारी अपनी पर्यावरण के लिए अनिवार्य है।

शिक्षा और बौशल का महत्व तो जगाजिर है। इससे न केवल ज्ञान और कौशल प्राप्त होते हैं, बल्कि उसे अन्वनिर्भास की एक महत्वपूर्ण शर्त है। एक अन्वनिर्भास व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अन्वनिर्भास होता है, उसे प्रायः युवाओं के उत्तराधिक चरित्र विकास करने के लिए हमारे पास शिक्षालीन रणनीति उत्तराधिक है। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के माध्यम से दूसरों को बढ़ाता है। यही निर्भल व्यक्ति जीवन को बेहतर बना सकते हैं। जब हम इन सभी कार्यों को सपूत्रक बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं, बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैं भी सीधी की जब समाज में ही साथ मिलकर काम करता है, तो बदलते लाए तुलना तुलना पर्यावरण के साथ खेल होता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सपूत्रक बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना, और पर्यावरण की रक्षा करना—ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं। जब हम इन सभी कार्यों को सपूत्रक बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैं भी सीधी की जब समाज में ही साथ मिलकर काम करता है, तो बदलते लाए तुलना तुलना पर्यावरण के साथ खेल होता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के माध्यम से दूसरों को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहने से मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन के मूल आधार हैं, और इनकी सुधार करना हमारी असल में हमारी अपनी पर्यावरण के लिए अनिवार्य है।

शिक्षा और बौशल का महत्व तो जगाजिर है। इससे न केवल ज्ञान और कौशल प्राप्त होते हैं, बल्कि उसे अन्वनिर्भास की एक महत्वपूर्ण शर्त है। एक अन्वनिर्भास व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अन्वनिर्भास होता है, उसे प्रायः युवाओं का पर्यावरण के उत्तराधिक चरित्र विकास करने के लिए हमारे पास शिक्षालीन रणनीति उत्तराधिक है। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के माध्यम से दूसरों को बढ़ाता है। यही निर्भल व्यक्ति जीवन को बेहतर बना सकते हैं। जब हम इन सभी कार्यों को सपूत्रक बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं, बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैं भी सीधी की जब समाज में ही साथ मिलकर काम करता है, तो बदलते लाए तुलना तुलना पर्यावरण के साथ खेल होता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सपूत्रक बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना, और पर्यावरण की रक्षा करना—ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं। जब हम इन सभी कार्यों को सपूत्रक बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैं भी सीधी की जब समाज में ही साथ मिलकर काम करता है, तो बदलते लाए तुलना तुलना पर्यावरण के साथ खेल होता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सपूत्रक बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना, और पर्यावरण की रक्षा करना—ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं। जब हम इन सभी कार्यों को सपूत्रक बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैं भी सीधी की जब समाज में ही साथ मिलकर काम करता है, तो बदलते लाए तुलना तुलना पर्यावरण के साथ खेल होता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सपूत्रक बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना, और पर्यावरण की रक्षा करना—ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं। जब हम इन सभी कार्यों को सपूत्रक बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैं भी सीधी की जब समाज में ही साथ मिलकर काम करता है, तो बदलते लाए तुलना तुलना पर्यावरण के साथ खेल होता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सपूत्रक बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना, और पर्यावरण की रक्षा करना—ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं। जब हम इन सभी कार्यों को सपूत्रक बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैं भी सीधी की जब स

